एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी

# "भारतीय ज्ञान परंपरा से पर्यावरण संरक्षण"

**दिनांक 18 मार्च 2023**
**समय प्रातः 9.30 बजे से**

आयोजक
शासकीय कला महाविद्यालय पनागर जबलपुर
(मध्यप्रदेश)

संयोजक
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास महाकौशल प्रांत

## मुख्य संरक्षक

प्रो. कपिल देव मिश्र
कुलपति
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)

## मुख्य वक्ता

प्रो. सुरेन्द्र सिंह
संकाय अध्यक्ष जीव विज्ञान
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)

## मुख्य संरक्षक

डॉ. लीला भलावी
अतिरिक्त संचालक
उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर
संभाग जबलपुर (म.प्र.)

## वक्ता

डॉ. राजेन्द्र कुरारिया
संयोजक-
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)

## संरक्षक

डॉ. पी.के. जैन
प्राचार्य
शासकीय कला महाविद्यालय
पनागर,जबलपुर (म.प्र.)

## वक्ता

डॉ.नीलेश पांडे (प्राचार्य)
हितकारिणी महिला महाविद्यालय
जबलपुर (मध्यप्रदेश)

## संगोष्ठी के उप-विषय

- पर्यावरण संरक्षण : एक वैश्विक आवश्यकता
- पर्यावरण संरक्षण : 21वीं सदी चुनौतियां व अवसर
- संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण
- पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य
- साहित्य में पर्यावरण संरक्षण
- पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी
- जैव प्रोद्यागिकी का पर्यावरण संरक्षण में योगदान
- भारतीय संविधान और पर्यावरण संरक्षण
- जलवायु परिवर्तन का पर्यावरण पर प्रभाव
- औद्योगिकीकरण और पर्यावरण
- पर्यावरण के क्षेत्र में शिक्षा की भूमिका
- पर्यावरण संरक्षण में अर्थ की भूमिका
- जैव विविधता एवं मुख्य विषय से संबंधित अन्य विषय

## पंजीयन शुल्क

शिक्षक/शिक्षाविद्- 200 रूपये
शोधार्थी - 100 रूपये

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पनागर
बैंक खाता क्रमांक - 672102010008079
आईएफएससी - UBIN0567213

## पंजीयन लिंक

https://forms.gle/BjdwcD3on3bXeNcf7

# संगोष्ठी उद्देश्य

अनादिकाल से मनुष्य अपने भरण-पोषण के लिए प्रकृति पर निर्भर रहा है। लेकिन मनुष्य की बढ़ती महत्वाकांक्षा ने उसे अपने हित- अहित से विमुख कर दिया है। स्वार्थ में आकर मनुष्य निरंतर पर्यावरण का अति दोहन कर क्षति पहुंचा रहा है। बदलता पर्यावरण मानव जीवन के लिए दिन प्रतिदिन खतरा बनता जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपने पर्यावरण का संरक्षण कर मानव जीवन के उत्थान के लिए अधिक अनुकूल बनाएं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारतीय ज्ञान-परम्परा एवं मूल्य इसके संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। संगोष्ठी का उद्देश्य अपनी जड़ों की तरफ लौट कर पर्यावरण संरक्षण संबंधी ज्ञान को पुनः स्थापित करना है।

**शोध संक्षिप्तिका 200 शब्दो में दिनांक 16-03-23 तक महाविद्यालय की ई-मेल आईडी पर भेजे।**

**ई-मेल - hegcpanjab@mp.gov.in**

**पोस्टर/रंगोली/मॉडल/प्रदर्शनी (प्राकृतिक उत्पादों से निर्मित वस्तुयों ) संगोष्ठी में समाहित रहेगें**

## संपर्क सूत्र

**डॉ.प्रशांत नामदेव - 9669495757**
**डॉ.बलराम सेन - 7000094309**


**शासकीय कला महाविद्यालय पनागर जबलपुर (म.प्र.)**
**पता- ग्राम फूटाताल पनागर,जबलपुर (म.प्र.)**


### समन्वयक

श्रीमती अंजना जैन
सहा. प्रा., समाजशास्त्र

### सह-समन्वयक

डॉ.लोकेन्द्र बोरकर
सहा. प्रा., भौतिक शास्त्र

### वि.बै.परि. प्रभारी

श्री अवधेश दुबे
क्रीड़ा अधिकारी

### आई.क्यू.ए.सी प्रभारी

डॉ. मोना गुप्ता
सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी

### आयोजन सचिव

डॉ. शिवानी राय
अतिथि विद्वान-प्राणीशास्त्र

### लेखा प्रभारी

श्री अभिषेक त्रिपाठी

## आयोजन समिति

- श्री अशोक श्रीवास्तव
- डॉ. गायत्री मरावी
- डॉ. मोनिका मसीह
- डॉ.सीमा पटारिया
- डॉ.कमलेश मौर्य
- श्रीमती उमा पोर्ते
- श्रीमती लक्ष्मी वर्वे
- श्री गणेश नामदेव
- डॉ.रूबी शर्मा
- डॉ.अंकिता पाठक
- कु. पूजा जैन

## तकनीकी समिति

- श्रीमती साक्षी ताम्रकार
- श्री वीरेन्द्र कुमार कुर्मी
- श्री शिवम बर्मन
- श्री गिरीश नामदेव